राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 565
चंडकाल की वापसी
सुपर कमांडो ध्रुव
मुफ्त ध्रुव का एक पोस्टर

प्रस्तावना

★ पढ़िए 'किरीगी का कहर' और 'सामरी की आत्मा'

© RAJA POCKET BOOKS

स्वर्णनगरी – देव जाति की नगरी – अत्याधुनिक तकनीक का एक आश्चर्य – अनोखा शहर –
समुद्र के तल में स्थित – अदृश्य किरणों से ढका हुआ ! मानव निगाहों से छिपा हुआ –
मानवों पर देव जाति को अधिक विश्वास नहीं है। लेकिन उनकी आज की ये खुशी, एक मानव की ही देन है – 'सुपर कमांडो ध्रुव' की।
पूरी स्वर्ण नगरी, राक्षस जाति के आखिरी वंशज चंडकाल का शरीर देखने के लिए उमड़ी पड़ रही है, ध्रुव !
इसके शरीर को तीन दिनों से प्रदर्शन के लिए रखा हुआ है ! फिर भी भीड़ कम नहीं हो रही है !
इसके शरीर को ऐसे खुले में रखना खतरनाक हो सकता है, धनंजय ! इसकी सांस अभी भी चल रही है !
लेकिन इसके शरीर में हरकत नहीं है, ध्रुव ! क्योंकि तुमने महामानव के हाथों इसके असल रूप को खत्म करा दिया है !
इसका आत्मरूप टुकड़े-टुकड़े होकर पूरी दुनिया में बिखर गया है। इसका शरीर तो है, लेकिन दिमाग बेकार हो गया है।
और बिना दिमाग के शरीर बेकार होता है। घबराओ मत...
अब कभी भी नहीं हो सकती है...
चंडकाल की वापसी
कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा
सम्पादक: मनीष गुप्ता

टोकियो- जापान की राजधानी!
वह धरती, जिसने जूडो-कराटे जैसी घातक कलाओं को जन्म दिया।
और इन कलाओं को जानने वाले महारथी आज के युग में भी मौजूद हैं। जैसे —
ग्रेट मानाचाकु! आप जूडो-कराटे और ताइक्वांडो जैसी कलाओं की वे ऊंचाइयां छू चुके हैं, जहां तक पहुंचने की कोई सोच भी नहीं सकता!
लोग तो यहां तक कहते हैं कि आप एक ही वार में, स्टील की मोटी चादर में भी छेद कर सकते हैं! क्या यह सच है?
सच तो है! और मैं इसका प्रदर्शन करके भी आप लोगों को दिखा सकता हूं।
लेकिन यह हमेशा याद रखिए कि ये घातक कलाएं सिर्फ आत्मसुरक्षा के लिए हैं!
जो भी इस कला का दुरुपयोग, अपने स्वार्थ या दूसरों की जान लेने के लिए करते हैं, वे महापापी हैं।
और ऐसे लोगों का वही हाल होना चाहिए, जो मैंने इस स्टील की चादर का किया है!
कड़ाम
कमाल है! कमाल है! आंखों पर यकीन नहीं होता!
यानी - यानी इससे तो आदमी की जान बड़े आराम से ली जा सकती है!
क्यों नहीं? क्यों नहीं?
इसका भी प्रदर्शन करके मैं आपको दिखाता हूं!
ये देखिए!
टॅक
एक झटके में गर्दन टूट कर हवा में उड़ गई —

पकड़ो! वह भाग रहा है।
लेकिन... लेकिन नागा-चाकू ने ऐसा क्यों किया? उन्होंने तो आज तक किसी मक्खी तक की जान नहीं ली थी!
लेकिन नागाचाकू, हवा हो चुका था –
आज वह सब, उसने एक झटके में बराबर कर दिया।
अब वह बचकर नहीं जा पाएगा।
लेकिन नागाचाकू ने ऐसा किया क्यों?
और वह भागकर जा कहां रहा है?
ऐसा ही एक घटनाचक्र, फिलिस्तीन में भी चल रहा था –
ख़ुदा के फज़ल से हमको आज़ादी हासिल हो ही गई। और इसमें हमारी गुरिल्ला फोर्स की चीफ 'अल-किल' का, यानी तुम्हारा सबसे बड़ा हाथ है।
अपने देश की आज़ादी के लिए मेरी जान भी हाज़िर है।
लेकिन तुमने अकेले, दुश्मन के तीन सौ हथियारबंद सैनिकों को कैसे मौत के घाट उतार दिया?
ऐसे!
तड़ तड़ तड़
आह!

'अलकिल' की 'क्लाशनिकोव रायफल' बिना रुके शोले उगलती रही–
और जब तक कोई उसको रोक पाता–
वह असमंजस में थी–
या खुदा! 'अलकिल' जैसी नेक लड़की को यह अचानक क्या हो गया?
और उसी दौरान– अमेरिकी नौसेना के एक युद्धपोत पर– कुवैत के समुद्र तट के पास–
ओ गॉड! तैराकी अभ्यास के दौरान बाकी सभी नौसैनिक तो पोत तक पहुंच चुके हैं।
लेकिन टोनी शार्कों के बीच में फंस गया है।
U.S. NAVY
हम गोले भी नहीं दाग सकते। क्योंकि वे टोनी को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।
अब हम क्या...
डाइविन, तुम क्या कर रहे हो?
घबराइए मत, सर!
टोनी को कुछ नहीं होगा!
डाइविन– अमेरिकी नौसेना का सबसे जांबाज गोताखोर।
दूसरों के लिए अपनी जान बाजी पर लगा देने वाला इंसान–
ऐसी स्थिति में भी– जब उसके पास सिर्फ एक हारपून हो–
और एक चाकू हो–

और शार्कों की तादाद बेशुमार हो—
पहला हारपून अपना निशाना पा गया।
ठक
और अगले ही पल—
अरे! अरे! डाइविल ने टोनी को शार्कों के बीच में फेंक दिया है!
नहीं! ऐसा नहीं हो सकता! डाइविल ऐसा नहीं कर सकता! तुमको भ्रम हुआ है।
लेकिन ऐसा ही था—
एक शार्क टोनी को अपना आहार बना चुकी थी।
अगले ही पल—शार्क का जबड़ा दो मजबूत हाथों के शिकंजे में था।
और दूसरी शार्क, डाइविल की तरफ लपक रही थी।
शार्कें डाइविल को भूलकर अपने ही साथी पर झपट पड़ीं—
और उसका शरीर खिंचता आ रहा था।
और डाइविल वापस युद्धपोत की तरफ मुड़ गया—

डाइविल, तुमने यह क्या किया? टोनी को लपटों के बीच में फेंक दिया!
आखिर क्यों?
डाइविल का मुंह खुला - और नुकीले दांतों के पीछे से एक अट्टहास गूंज उठा -
न जाने कैसे, पूरे वातावरण की हवा विषैली होती चली गई -
हा हा हा हा
और, पूरे युद्धपोत पर तैनात सभी सैनिक एवं कर्मचारी बेहोशी की आगोश में समा गए।
कुछ देर बाद - जब युद्धपोत भारत के तट की तरफ बढ़ा तो सभी कर्मचारियों और सैनिकों के बेहोश शरीर समुद्र में तैर रहे थे।
सिवाय डाइविल के -
स्वर्ण नगरी में - दो दिनों बाद -
आज हमने राक्षस जाति पर पूर्णरूप से विजय प्राप्त कर ली है, ध्रुव।
और यह सिर्फ तुम्हारे ही कारण संभव हो सका है।
इसीलिए तो हमने इस शुभ अवसर पर तुमको ही अपना मुख्य अतिथि बनाया था।
यह आप लोगों का बड़प्पन था! आप लोगों ने मुझे इतनी इज्जत दी! अब मुझे जाने की इजाजत भी दीजिए।

विदा, ध्रुव! उम्मीद करता हूं कि हमारी मुलाकात जल्दी ही होगी।
'जल्दी' का मौका कम ही है, धनंजय! राजनगर में काफी काम जमा हो गया होगा!
ध्रुव राजनगर तट के एक सुनसान इलाके में निकला-
और निकलते ही ठिठककर रुक गया-
मोटरबोट! इतनी रात को यह मोटरबोट यहां क्या कर रही है?
लेकिन इसमें तो कोई भी नहीं है!
मोटरबोट इंजन अभी तक काफी गर्म है। यानी मोटरबोट को यहां पर आए ज्यादा समय नहीं हुआ है!
और इसमें जो कोई भी आया है, अभी ज्यादा दूर नहीं गया होगा!
ध्रुव का ख्याल सही था-
मोटरबोट का सवार ज्यादा दूर नहीं गया था। आधा डाकू न जाने कितनी सवारियां बदलकर राजनगर तक पहुंचा था-
मुझे आभास हो गया है कि मेरे बाकी दोनों हिस्से अभी यहां तक नहीं पहुंच पाए हैं। और जब तक वे आ नहीं जाते, तब तक मैं अपना काम आगे बढ़ा नहीं...
रामपाल! समुद्र तट की तरफ से कोई अजीबो-गरीब आदमी आ रहा है!
जरूर स्मगलर होगा! ऐसे लोगों को पकड़ने के लिए ही तो हमारी ड्यूटी समुद्र तट के पास लगाई जाती है!
आगे बढ़ता आधा डाकू ठिठक कर रुक गया-
दो परछाइयां उसका रास्ता रोके खड़ी थीं-

इतनी रात को कहां से आ रहे हो?
तुमने ये अजीब-सी पोशाक क्यों पहन रखी है?
कौन हो तुम?
मेरा रास्ता छोड़ दो! मुझे जाने दो!
रामपाल! मैं इसको कवर करता हूं। तू इसकी तलाशी ले!
रामपाल आगे बढ़ा—
और एक हल्के-से झापड़ से, वापस अपनी जगह पर आ गिरा—
थटाक
अगले ही पल बंदूकें तन गईं!
और गोले हवा में उड़ने लगे—
सिर्फ हवा में—
और उसके बाद—दोनों पुलिस वालों को कुछ याद नहीं रहा—
उनके शरीर हवा में लटक गए! पांव हवा में झूलने लगे—
और हिल-हिल करके उनकी जान बाहर निकलने लगी—

लेकिन जान बाहर नहीं निकल पाई—
अगर यही आदमी मोटरबोट में राजनगर आया है। और यह पुलिस वालों पर हमला कर रहा है! यानी इसके इरादे नेक नहीं हैं।
धाड़.
सुपर कमांडो ध्रुव! इससे इसकी जल्दी मुलाकात हो गई!
अच्छा हुआ! इस मुसीबत को यहीं खत्म करने का मौका मिल गया!
ध्रुव को कुछ पूछने तक का मौका नहीं मिला—
यह ध्रुव की फुर्ती ही थी, कि वार उसको पूरी तरह से नहीं लग पाया—
कड़क!
नागाधाकू के शरीर पर कब्जा करने का एक कारण इस लड़के को नागाधाकू के हाथों रास्ते से हटाना भी है।
नागाधाकू के दिमाग पर जिस शैतानी ताकत का अधिकार था वह ध्रुव को पहचानती थी—
और वह ध्रुव की जानी दुश्मन थी—
वर्ना उसकी गर्दन टूटकर झूल गई होती—
उस पोल की तरह—
ओह! इसके एक ही वार ने पोल को टेढ़ा कर डाला! यह मामूली फाइटर नहीं है!
बचने की एक ही सूरत है— कि पहला वार मैं करूँ!

लेकिन पहला ही वार...
—बेकार चला गया—
धड़ाक!
ओह! यह अपने कंधे पर लगे कपड़ों का इस्तेमाल पैराशूट की तरह कर रहा है। और इसकी मदद से यह ग्लाइडर की तरह हवा में तैर सकता है।
सबसे पहले इसकी इसी ताकत को खत्म करना होगा।
ध्रुव के हाथ में बेल्ट में रखे हुए स्टार आ गए—
और नागाचाकू के लबादे में कई छेद हो गए।
अब नागाचाकू हवा में तैर नहीं सकता था।
ध्रुव ने नागाचाकू की एक ताकत को खत्म कर दिया था।
लेकिन इसने नागाचाकू को दूसरी ताकत दिखाने पर मजबूर कर दिया—

नाल-चाकु !
और अगर यह खोपड़ी पर पड़ जाए, तो खोपड़ी को बताशे की तरह तोड़ देगा !
लेकिन मेरे जुपिटर सर्कस के गुरु जुकिस्को ने मुझे इसकी एक काट बताई थी—और वह मैं आज तक नहीं भूला !
यह जबरदस्त खतरनाक हथियार होता है ! इसका एक भी वार शरीर की किसी भी हड्डी को तोड़ सकता है।
और वह काट यह है कि नाल चाकु को अपना वार करने दो...
और ऐन टाइम पर उसके रास्ते से अलग हट जाओ !
उसके वार का काट आसान...
ध्रुव का सारा ध्यान नाल-चाकु पर था—
नाल-चाकु पर नहीं !
एक भीषण वार से उसकी आंखों के सामने सारा ब्रह्मांड नाच गया—
तड़ाक !
उसमें खड़े हो सकने की भी ताकत नहीं बची ।
और अपनी जीत पर एक अट्टहास गूंज उठा—
यह... यह... आवाज तो... चंडकाल की है !

हां, मेरे जानी दुश्मन। और इस बार मैंने इस नागाबाबू के शरीर पर कब्जा किया है।
और यह जूडो-कराटे का विशेषज्ञ, एक भरपूर वार से स्टील की मोटी प्लेट में भी छेद कर सकता है।
तेरी छाती में तो इसकी एक उंगली ही छेद कर देगी।
लेकिन तुम्हारा मानसरूप तो खत्म हो गया था!
महामानव ने तुमको खत्म कर दिया था।
मानसरूप कभी खत्म नहीं होता, लड़के! मेरा मानस रूप मरा नहीं था। कण-कण होकर बिखर गया था।
वे कण धीरे-धीरे जुड़कर तीन अलग-अलग स्थानों पर इकट्ठे हो गए थे।
एक मानस रूप में मेरी चालाकी और मेरी ताकत थी। और मानस रूप के उसी हिस्से ने नागाबाबू के शरीर पर कब्जा किया है।
मेरे मानस रूप के बाकी दोनों हिस्से भी अब तक यहां पहुंचते ही होंगे!
और जब मेरे मानस रूप के तीनों हिस्से यहां इकट्ठे हो जाएंगे तब शुरू होगा मेरा महाअभियान।
अपने शरीर और मस्तिष्क के साथ, अपने पूरे मानस रूप को जोड़ने का।
तुझे यह सब बताने में मुझे कोई झिझक इसलिए नहीं हो रही है...
...क्योंकि अब तू किसी भी हालत में जिंदा नहीं बच सकता।
आह! इसने एक घूंसे से सड़क में गहरा छेद कर दिया।

मैं इसका मुकाबला करने की कोशिश कर तो सकता हूं, लेकिन फिर भी मैं इसको कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाऊंगा।
अगर कोई नुकसान पहुंचा, तो वह धनंजय जैसे महान फाइटर को ही पहुंचेगा।
धड़!
एक रास्ता समझ में आ रहा है...
...बीच का रास्ता!
इसको मैं किसी जगह पर रोक के रखने की कोशिश करूं।
और इसी दौरान, धनंजय को इस बात की खबर कर दूं।
और इसको रोककर रखने की सबसे अच्छी जगह है...
...यह मेनहोल!
किस्मत अच्छी है कि इस नई डिजाइन के मेनहोल में ऊपर चढ़ने के लिए सीढ़ियां नहीं बनी हैं।
और तब तक मैं धनंजय को सतर्क...
अरे! मेरे 'स्टार-ट्रांसमीटर' पर 'डेंजर-सिग्नल' आ रहा है, कमांडो हेडक्वार्टर से!
पर क्यों?
टिंग... टिंग... टिंग... टिंग!
एक जोरदार टक्कर से ... अपना संतुलन खोकर, खुले मेनहोल में आ गिरा।

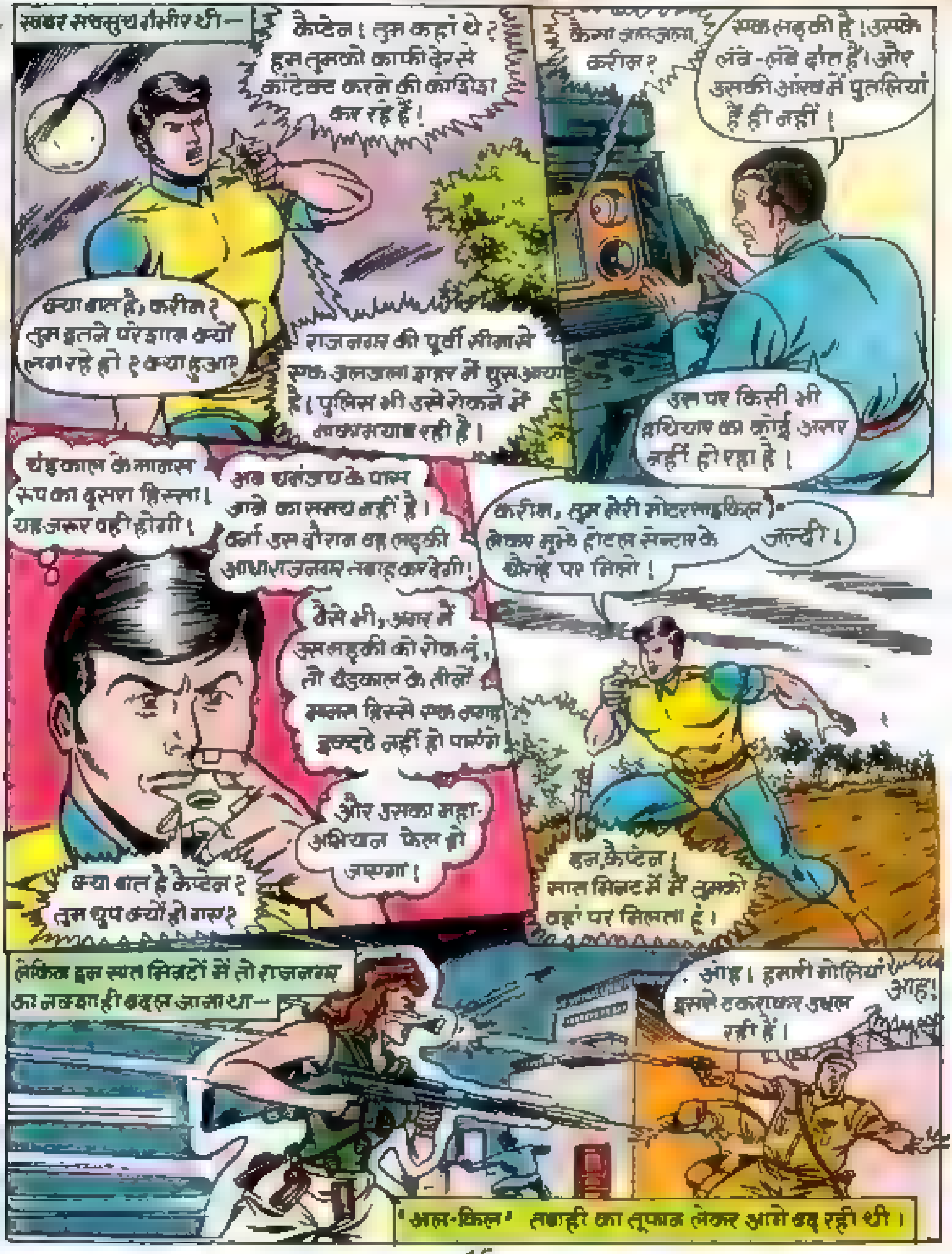
खबर सचमुच गंभीर थी—
कैप्टेन! तुम कहां थे? हम तुमको काफी देर से कांटेक्ट करने की कोशिश कर रहे हैं!
क्या बात है, करीम? तुम इतने परेशान क्यों लग रहे हो? क्या हुआ?
राजनगर की पूर्वी सीमा से एक जलजला शहर में घुस आया है। पुलिस भी उसे रोकने में नाकामयाब रही है।
कैसा जलजला, करीम?
एक लड़की है! उसके लंबे-लंबे दांत हैं। और उसकी आंख में पुतलियां हैं ही नहीं!
उस पर किसी भी हथियार का कोई असर नहीं हो रहा है।
चंडकाल के मानव रूप का दूसरा हिस्सा। यह जरूर वही होगी।
अब धनंजय के पास जाने का समय नहीं है। वर्ना इस दौरान वह लड़की आधा राजनगर तबाह कर देगी!
वैसे भी, अगर मैं उस लड़की को रोक लूं, तो चंडकाल के तीनों मानव हिस्से एक जगह इकट्ठे नहीं हो पाएंगे
और उसका महा-अभियान फेल हो जाएगा!
क्या बात है कैप्टेन? तुम चुप क्यों हो गए?
करीम, तुम मेरी मोटरसाइकिल लेकर मुझे होटल सेन्टार के कोने पर मिलो!
जल्दी!
हां, कैप्टेन! सात मिनट में मैं तुमको वहां पर मिलता हूं।
लेकिन इन सात मिनटों में तो राजनगर का नक्शा ही बदल जाना था—
आह! हमारी गोलियां इससे टकराकर उछल रही हैं।
आह!
'अल-किल' तबाही का तूफान लेकर आगे बढ़ रही थी।

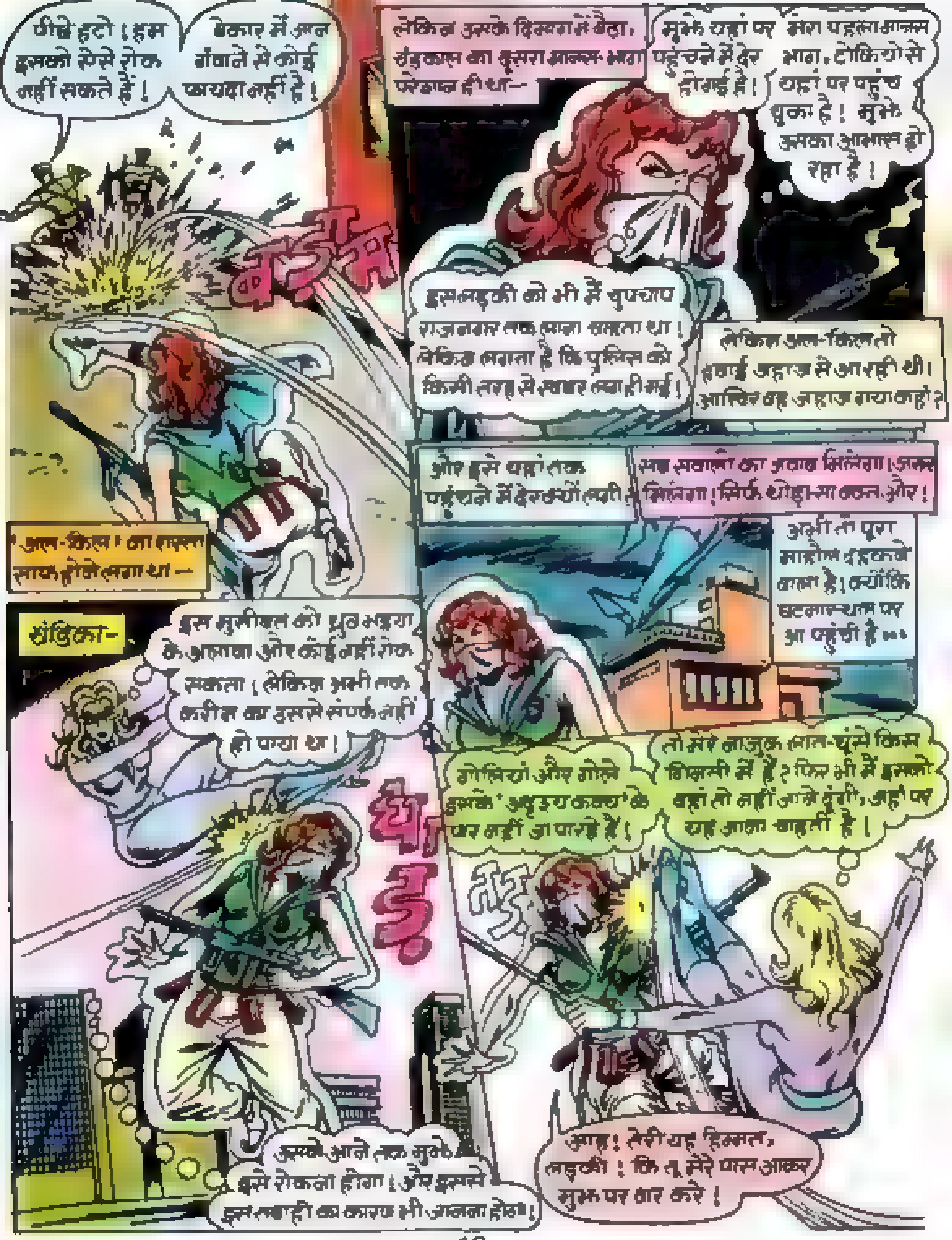
पीछे हटो ! हम इसको ऐसे रोक नहीं सकते हैं !
बेकार में जान गंवाने से कोई फायदा नहीं है !
धड़ाम
लेकिन उसके दिमाग में बैठा, रौद्रकाल का दूसरा आत्मन भाग परेशान ही था—
मुझे यहां पर पहुंचने में देर होगई है !
मेरा पहला आत्मन भाग, टोकियो से यहां पर पहुंच चुका है ! मुझे उसका आभास हो रहा है !
इस लड़की को भी मैं चुपचाप राजनगर तक लाना चाहता था ! लेकिन लगता है कि पुलिस को किसी तरह से खबर लग ही गई !
लेकिन अल-किलत तो हवाई जहाज से आ रही थी। आखिर वह जहाज गया कहां ?
'अल-किलत' का रहस्य साफ होने लगा था —
और इसे यहां तक पहुंचने में देर क्यों लगी ?
सब सवालों का जवाब मिलेगा। जरूर मिलेगा ! सिर्फ थोड़ा-सा वक्त और !
अभी तो पूरा माहौल दहकने वाला है। क्योंकि घटनास्थल पर आ पहुंची है...
चंडिका–
इस मुसीबत को ध्रुव भइया के अलावा और कोई नहीं रोक सकता। लेकिन अभी तक करीम का इससे संपर्क नहीं हो पाया था !
धाड़
गोलियां और गोले इसके 'अदृश्य कवच' के पार नहीं आ पा रहे हैं !
तो मेरे नाजुक लात-घूंसे किस गिनती में हैं ? फिर भी मैं इसको वहां तो नहीं जाने दूंगी, जहां पर यह जाना चाहती है !
इसके आने तक मुझे इसे रोकना होगा ! और इससे इस तबाही का कारण भी जानना होगा !
आह ! तेरी यह हिम्मत, लड़की ! कि तू मेरे पास आकर मुझ पर वार करे !

★ लोरी के बारे में जानने के लिए पढ़ें— 'वैम्पायर'

जिन शक्तियों की तू साधना करता है, उन शक्तियों की मैं भी साधना करती हूं...
... फर्क सिर्फ इतना है कि तू इन शक्तियों का प्रयोग दुष्टता के लिए करता है, और मैं भलाई के लिए।
तुम इसको आदमी की तरह क्यों संबोधित कर रही हो?
क्योंकि यह लड़की निर्दोष है। दोष उस शैतानी मानस रूप का है, जिसने इसके दिमाग पर कब्जा किया हुआ है।
और वह मानस रूप एक शैतान आदमी का है।
शैतान 'आदमी' का। हाहाहा! बस, तू यहीं एक गलती कर गई लड़की!
मैं आदमी ही तो नहीं हूं।
अभी मेरी शक्ति सिर्फ एक-तिहाई है। इसी लिए तू मेरा सामना कर पा रही है।
लेकिन तू अस्त्र-शस्त्र के बमों की आंधी का सामना नहीं कर सकेगी।
बचने की जरूरत नहीं है, चंडिका।
मेरी 'मानसिक ऊर्जा' इन धमाकों को आराम से रोक लेगी!
अस्त्र-शस्त्र के दांत भिंच गए।
और इस बार उसकी उंगली ट्रिगर पर दबती चली गई—

गोलियों को चकाना चंडिका को तो अच्छी तरह आता था–
लेकिन तोरी को इसका कोई अनुभव नहीं था :
मगर, तोरी की किस्मत में अभी मौत भी नहीं लिखी थी–
धुप!
छोटी - छोटी गोलियों की बौछार को मानसिक किरणों से पूरी तरह रोक पाना संभव नहीं था।
ओह! यानी तू नागाचाकू से मिल चुका है! और फिर भी बचकर आ गया!
तुम !
हां, मैं, चंडकाल!
शायद तेरी मौत नाग-विष के हाथों ही लिखी थी
तू... तू– मेरे बारे में जान गया! पर कैसे?
नागाचाकू से.
तुम जानते ही हो चंडकाल, कि तुम्हारी ये कोशिश बेकार जाएगी।
क्योंकि गोली और बमों को चकमा मुझे अच्छी तरह से आता है।
इस बार नहीं, लड़के! इस बार नहीं!
इस बंदूक को मैं अपनी जादुई शक्ति दे रहा हूं!
अब इसकी गोली तुझ पर 'फिक्स' हो चुकी है।
तू जिधर भी जाएगा, जिधर भी भागेगा, जिधर भी उछलेगा, ये गोली भी उधर ही अपने आप मुड़ जाएगी!

बच सकता है, तो बच ले, सुपर कमांडो ध्रुव!
ओह! सचमुच! बंदूक की नाल तो मेरे साथ ही साथ दिशा बदल रही है!
गोलियां एकदम मेरे करीब से निकल रही हैं। जल्दी ही कोई न कोई गोली अपना निशाना ढूंढ ही लेगी!
तड़ तड़ तड़ तड़
बचना संभव नहीं है। पलटकर वार करना ही होगा।
चंडिका की फुर्ती और लोरी की शक्तियां भी मेरी कोई मदद नहीं कर पाएंगी।
इससे पहले कि अल-किल के दिमाग में बैठा चंडकाल कुछ समझ पाता—
ध्रुव हवा में उछल कर उसके पीछे पहुंच चुका था—
ये गोलियां मेरा पीछा नहीं छोड़ रही हैं। इसी कमजोरी को अपनी ताकत बनाना होगा!
और गोलियों ने उसका पीछा नहीं छोड़ा था—
चाहे उनको अपना रास्ता, अल-किल का कंधा चीरकर बनाना पड़े—
आऽऽऽह!
अल-किल का हाथ अब बंदूक चलाने के काबिल नहीं रह गया था—
एक ही जादुई शक्ति प्राप्त होने के कारण, गोली ने अल-किल का अभेद्य कवच चीर डाला था—
ओह! मुझ पर एक ही चीज असर कर सकती थी! मेरी ही जादुई गोलियां। और वही हुआ!
तू एक बाजी जीत गया, लड़के!
लेकिन फिर भी तू मुझे नुकसान नहीं पहुंचा सकता!
अगर मैं इस लड़की को बेहोश कर दूं, तो तेरा शैतानी रूप भी इससे कुछ नहीं करवा पाएगा! और वह मेरी पूरी जीत होगी!

क्योंकि यहां पर तेरे करीब ऐसा कोई नहीं है, जिसके दिमाग पर तू कब्जा कर सके !
लोरी और चंडिका की इच्छाशक्ति भी मेरे जैसी ही तेज है।
तेरे कवच से अल-किल को बाहर निकालेगा, यह स्प्रे पेंट !
जो मैंने गिरते वक्त, पेंट की उस दुकान से उठा लिया था !
PAINTS
तू अल-किल को कभी बेहोश नहीं कर पाएगा ! यह मेरे अदृश्य कवच में सुरक्षित है !
तेरा कोई भी वार इस तक नहीं पहुंच पाएगा !
मेरे पास हर मुश्किल की काट रहती है, चंडकाल
...जब तक वह अदृश्य कवच से बाहर नहीं आ जाती ,
स्प्रे की फुहार, अदृश्य कवच पर जमा होनी शुरू हो गई !
और कुछ ही पलों में पूरा कवच पेंट से ढक चुका था—
SPRAY
अल-किल को अब कुछ दिखाई नहीं पड़ सकता था, तब तक...
चंडिका को इसी पल का बेसब्री से इंतजार था —
तड़ाक
एक ही वार में, अल-किल होश खो बैठी—

आ...ह! आखिरकार चंडकाल को हमने रोक ही लिया! अब चक्रकाल के तीनों भाग एक जगह इकट्ठे नहीं हो पाएंगे!
लेकिन लोरी—
ध्रुव ने चंडिका को लोरी के बारे में सब कुछ बता दिया।
अब बताओ, लोरी कि तुम इस चक्कर में कैसे फंस गईं?
चक्कर तब शुरू हुआ ध्रुव, जब मैं कुछ ठंडी हवा खाने रात के वक्त किले से बाहर निकली!...
एक हवाई जहाज की घरघराहट ने मेरे ध्यान को तुरन्त खींच लिया।
अरे! यानी तुम भी लोरी को जानते हो, ध्रुव! और यह तुम्हें जानती है...
फिर मैं इसे क्यों नहीं जानती?
और प्लेन एक कर्णभेदी धमाके के साथ रेतीली जमीन पर आ गिरा—
मैं समझी कि लोरी नष्ट हो गई है लेकिन तभी प्लेन के मलबे से यही लड़की बाहर निकली—
हवाई जहाज मामूली-सा था। लेकिन इसके अंदर से एक भीषण ऊर्जा की लहरें ऊपर तक पहुंच रहे थे—
अपने अदृश्य कवच में सुरक्षित!
बगैर कुछ सोचे, मेरा मस्तिष्क उस प्लेन पर केंद्रित हो गया!
मेरी मानसिक किरण ने उस प्लेन को अपंग कर दिया—
तभी मुझको आभास हुआ कि यह लड़की दुष्ट नहीं है।
इसके मस्तिष्क पर किसी दुष्ट आत्मा ने कब्जा किया हुआ है। यह सोचकर मैं पलभर को रुक गई।
मैंने इसको मानसिक ऊर्जा के बंधन में जकड़ना चाहा-
लेकिन वह बंधन इसको जकड़ नहीं सका।
लेकिन यह लड़की नहीं रुकी—
मुझे चोट तो ज्यादा नहीं लगी—

लेकिन मैं डोगा खो बैठी! मुझे डोगा आने तक यह भाग चुकी थी। अपनी मानसिक तरंगों से मैंने इसका पीछा किया, और यहां तक आ पहुंची।
खैर! अभी तुम दोनों इस पर नजर रखो! किसी को भी इसके पास मत आने देना।
तब तक मैं धनंजय को लेकर आता हूं। वह इसे पकड़कर रखने का कोई न कोई उपाय जरूर निकाल लेगा।
लेकिन तभी—
आहा-हा! यानी चंडकाल का पहला मानस भाग!
हां, लड़के! तूने मुझे गटर से निकालकर मुझ पर बहुत बड़ा एहसान किया है। मैं अपने दूसरे मानस भाग, यानी अल्फकिन को ढूंढता हुआ गटर-गटर के रास्ते ही चुपचाप यहां पहुंच गया!
वर्ना मुझे यहां तक पहुंचने के लिए न जाने कितनी रुकावटों का सामना करना पड़ता।
और उसके बाद... चंडकाल वापस आएगा!
अब मेरे दो मानस भाग मिलकर एक हो जायेंगे।
अब मुझे सिर्फ अपने तीसरे मानस हिस्से का इंतजार है।

ओफ! इस संभावना पर तो मैंने ध्यान ही नहीं दिया था!
नागाचाकू अब गटर की सुरंगों से होता हुआ कहीं पर भी पहुंच सकता है!
लेकिन वह अभी जाएगा कहां?
कहीं भी जाए, लेकिन अभी सबसे महत्वपूर्ण काम है, धनंजय को इस घटना से अवगत कराना!
कर्नल, कैप्टन हियर!
ध्यान से सुनो! मुझे कुछ चीजें तुरन्त चाहिएं! नोट करो...
हैलो कैप्टन!
और लगभग पन्द्रह मिनट बाद—
नागाचाकु के शरीर में बैठा थंडुकान चाहे इस वक्त कहीं पर भी हो, लेकिन आखिरकार आएगा यहीं पर! क्योंकि 'स्वर्णनगरी' तक जाने का रास्ता यहीं से है।
तुम लोग यहां पर सावधान रहो!
और अगर नागाचाकु नजर आ जाए, तो उसे रोकने की कोशिश करना! वैसे मैं धनंजय को लेकर अभी...
नागाचाकु पहले ही उस जगह पर पहुंच चुका था—
वापस आता... नागाचाकु!
लेकिन वह स्वर्णनगरी की तरफ नहीं बढ़ रहा था।
ध्रुव तेजी से नागाचाकु की तरफ बढ़ा—

लेकिन एक धमाके ने उसको बीच में ही रोक दिया-
सुपर कमांडो ध्रुव! तू अब मेरे तीनों मानस भागों को मिलने से रोक नहीं पाएगा!
नागाधाकु के बोलने से ये साफ हो गया कि इस बैटल शिप में चंडकाल का तीसरा मानस भाग है। और यह मुझे नागाधाकु तक पहुंचने से रोकने के लिए 'डेप्थ चार्ज' बमों का इस्तेमाल कर रहा है।
ध्रुव ने नागाधाकु को बैटल शिप के ठीक पहले ही धर दबोचा—
लेकिन ये बम बीस मीटर की गहराई तक ही असर करते हैं। यानी मैं समुद्र के और अंदर जाकर नागाधाकु का पीछा कर सकता हूं।

ओह, तू अपनी मौत को बुलाने से बाज नहीं आएगा!
वैसे भी, नागाचाकू की शारीरिक शक्ति ही ... काफी है।
कहां गया? कहां गया! वह नागाचाकू? अब मेरे पास वक्त नहीं है। मुझे अपने शरीर के पास जल्दी से पहुंचना है।
इसकी सारी घातक आंतरिक शक्तियां ... के पास हैं!
लेकिन गड़बड़ तो शुरू हो चुकी थी।

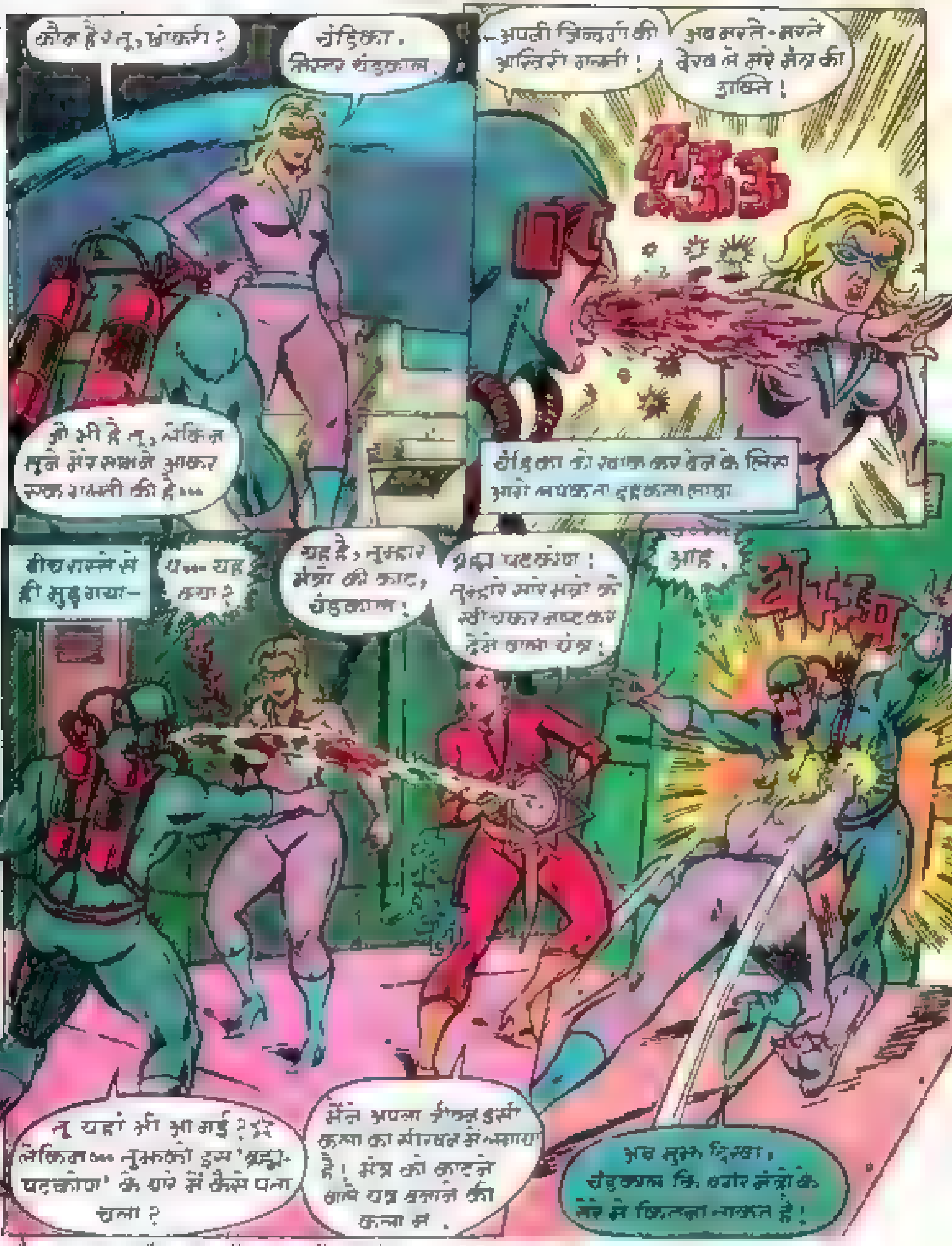
कौन है तू, छोकरी?
नंदिका, मिस्टर चंडकाल।
...अपनी जिन्दगी की आखिरी गलती!
अब मरते-मरते देख ले मेरे मंत्र की शक्ति!
जो भी है तू, लेकिन मुझसे मेरे सामने आकर एक गलती की है...
ए... यह क्या?
यह है, तुम्हारे मंत्रों की काट, चंडकाल!
ब्रह्म षट्कोण! तुम्हारे सारे मंत्रों को सोखकर नष्ट कर देने वाला यंत्र!
आह!
तू यहां भी आ गई?☆ लेकिन... तुमको इस 'ब्रह्म-षट्कोण' के बारे में कैसे पता चला?
मैंने अपना जीवन इसी कला का ... में लगाया है! मंत्र की काट करने वाले यंत्र बनाने की कला में।
अब तुझे दिखा, चंडकाल कि ... मंत्रों के ... से कितना ... है!

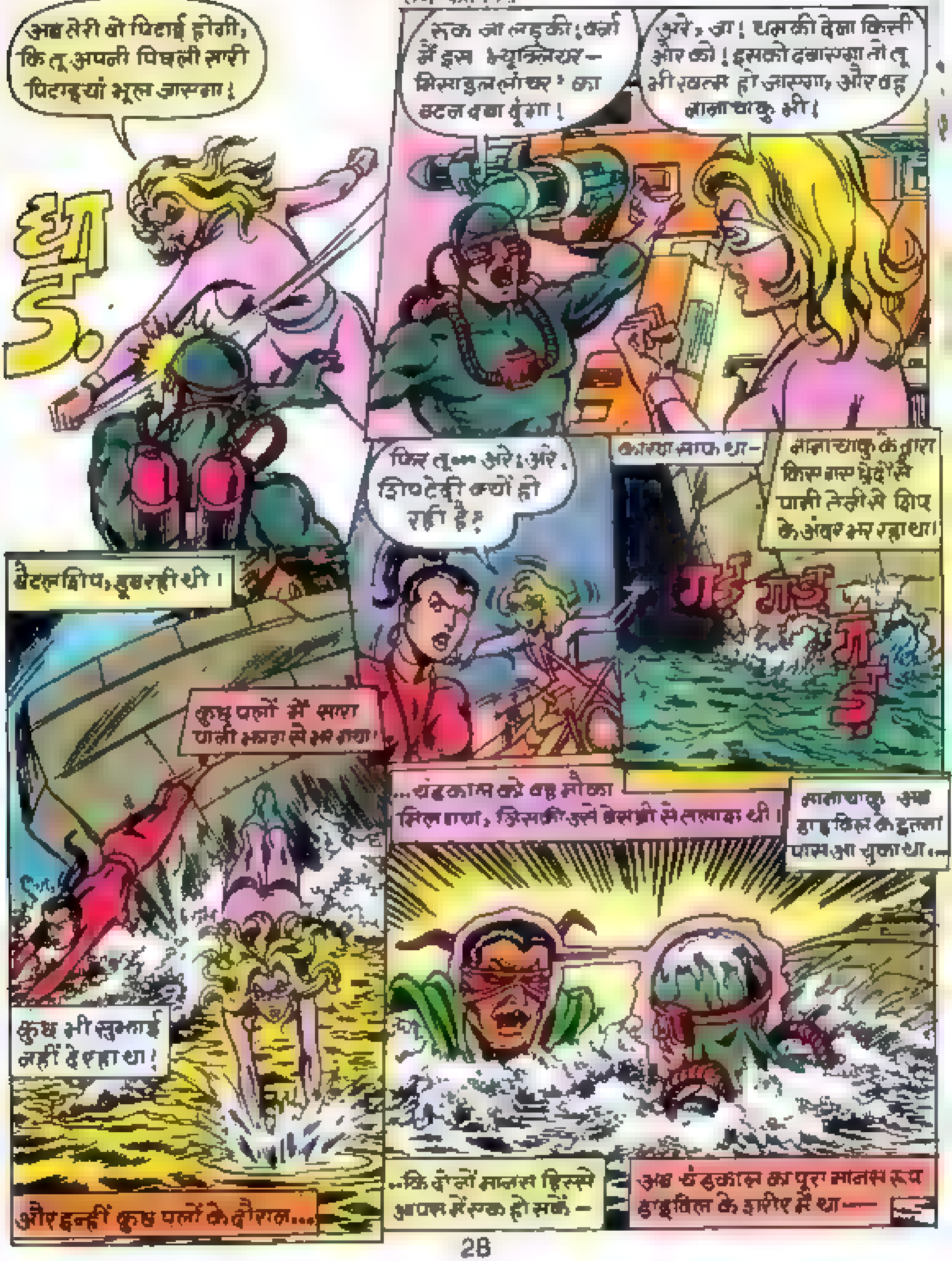
अब तेरी वो पिटाई होगी, कि तू अपनी पिछली सारी पिटाइयां भूल जाएगा!
धा ड़.
रुक जा लड़की! वर्ना मैं इस 'न्यूक्लियर-मिसाइल लॉन्चर' का बटन दबा दूंगा!
अरे, जा! धमकी देना किसी और को! इसको दबाएगा तो तू भी खत्म हो जाएगा, और वह मालाचाकू भी!
फिर तू... अरे! अरे, शिप टेढ़ी क्यों हो रही है?
कारण साफ था-
मालाचाकू के द्वारा किए गए छेदों से पानी तेज़ी से शिप के अंदर भर रहा था।
गड़ गड़
वेटल शिप, डूब रही थी।
कुछ पलों में सारा पानी भाग से भर गया!
कुछ भी सुझाई नहीं दे रहा था!
और इन्हीं कुछ पलों के दौरान...
...चंडकाल को वह मौका मिल गया, जिसकी उसे बेसब्री से तलाश थी।
मालाचाकू अब हाइविल के इतना पास आ चुका था...
...कि दोनों मानस हिस्से आपस में एक हो सकें-
अब चंडकाल का पूरा मानस रूप हाइविल के शरीर में था---

धीरे- धीरे भाग शांत हुआ—
और स्थिति तेजी से साफ होने लगी—
हां, लड़के ! यानी कंकाल कामयाब हो गया है। नागाचाकू के शरीर वाले, मेरे दोनों मानस भाग अब इस डाइविल के शरीर में आ चुके हैं ! मेरा मानस रूप संपूर्ण हो गया है !
यह तो नागाचाकू है। और इसके चेहरे पर पहले जैसी छाई हुई शैतानियत एकदम गायब है। यानी ... यानी ...
अब मुझे अपने महा अभियान का आखिरी चरण पूरा करना है ! जिसके लिए मैंने इस शैतानखोर डाइ विल के शरीर पर कब्जा किया है !
और वह है गोता लगाकर, स्वर्ण नगरी तक पहुंचना !
ओह ! तुम लोग नागाचाकू को लेकर किनारे की तरफ चलो ! मैं इस शैतान को रोकता हूं !
इस 'ब्रह्म-षटकोण' को अपने शरीर से चिपका लो, ध्रुव ! यह कम से कम थोड़ी देर तक कंकाल के मांत्रिक वारों को रोक लेगा !
ठीक है, लोरी ! तुम लोग चलो !
सावधानी से जाना, ध्रुव !
कुछ ही पलों बाद- ध्रुव डाइविल के पीछे था—
यह लड़का तो मेरा पीछा छोड़ने का नाम ही नहीं ले रहा है !
और यह काफी तेजी से मेरे पीछे आ रहा है !
ऐसे तो यह मुझसे पहले स्वर्ण नगरी पहुंच जाएगा !
और ऐसा होने से मेरा सारा प्लान बिगड़ जाएगा !
डाइविल ने हाथ उठाया—
और सारा पानी उबल उठा !

लेकिन चूंकि यह मंत्र का असर था, इसीलिए 'ब्रह्म-षटकोण' ने ध्रुव पर इसका प्रभाव नहीं होने दिया—
और ध्रुव धीरे-धीरे, ड्राइविल के और पास आता जा रहा था।
स्वर्ण नगरी भी अब ज्यादा दूर नहीं थी।
खौलता पानी इस पर असर नहीं डाल पा रहा है! अपनी शक्तियों को बढ़ाना होगा!
मैं इस पानी को ऐसे एसिड में बदल देता हूं, जो पत्थर को भी पलभर में गला सकता है!
पर 'ब्रह्म-षटकोण' के ऊपर धीरे-धीरे जोर पड़ रहा था—
ध्रुव के चारों तरफ का पानी, एक तेज एसिड में परिवर्तित हो गया!
ओह! इस 'यंत्र' पर जोर पड़ रहा है! यह चंडकाल की शक्तियों को और ज्यादा सहन नहीं कर सकता!
संपर्क में आई मछलियों के शरीर पलक झपकते गल गए।
इससे पहले कि मेरा यह कवच टूट जाए...
...मुझे चंडकाल को बेबस करना होगा!
और चंडकाल को बेबस करने का सीधा रास्ता है, इस गोताखोर को बेबस कर देना!
ड्राइविल के बेबस होते ही, चंडकाल का जादू टूट गया—
एक कड़क आवाज के साथ ब्रह्म-षटकोण टूट गया—
और एसिड, वापस पानी में परिवर्तित हो गया।
साथ ही साथ ड्राइविल का भी दम घुटने लगा—
उसके दिमाग पर बेहोशी छाने लगी—

चंडकाल बौखला उठा —
यह केहोश हो रहा है! और साथ ही साथ मेरी शक्तियां भी क्षीण हो रही हैं!
और अगर मैं अपने शरीर के पास नहीं जा पा रहा हूं!
... तो मुझे ... अपने शरीर को यहां पर बुलाना होगा!
मैं इसको अदृश्य कवच भी नहीं पहना पा रहा हूं!
अब एक ही रास्ता है! मुझे अपनी सारी की सारी शक्तियों का हर कतरा समेटना होगा!
चंडकाल के मानस रूप ने अपनी शक्ति की हर बूंद समेटी
और उसकी आंखें दहक उठीं —
और 'स्वर्णनगरी' के वासियों ने एक भयानक दृश्य देखा —
चंडकाल का शरीर, सोने की दीवारों को, ताश के पत्तों की तरह ढहाता हुआ —
अपनी मंजिल की तरफ बढ़ चला —

Printed at: Japan Art Press